द्वितीय वार्षिक तेरापंथ प्रोफेशनल स मेलन का भव्य आयोजन

प्रोफेशनल्स के जीवन में अनुशासन व विकास दोनों आवश्यक : आचार्य महाप्रज्ञ

लाडनूं क्‍नव बर।

तेरापंथ प्रोफेशनल्स का द्वितीय वार्षिक स मेलन आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में आज (क्‍नव बर) जैन विश्व भारती प्रांगण में प्रारंभ हुआ। इस स मेलन में स पूर्ण देश के विभिन्न प्रांतों में निवास करने वाले तेरापंथी परिवार से संबंध रखने वाले लगभग क्‍भ से ज्यादा प्रोफेशनल्स जिसमें डॉ€टर, एम.बी.ए., इंजीनियर, एडवोकेट, आईएएस, आई.टी प्रोफेशनल्स उपस्थित थे।

उद्घाटन सत्र में आचार्यश्री महाप्रज्ञ ने अपने मंगल पाथेय में जीवन के दो महžवपूर्ण सूत्रों की चर्चा की। उन्होंने कहा अनुशासन व विकास एक दूसरे के पूरक हैं। अनुशासन के बिना विकास का मूल्य शून्य हो जाता है। अत: प्रोफेशनल्स के जीवन में दोनों का होना आवश्यक है। प्रोफेशनल्स को प्रेरणा देते हुए आचार्यश्री महाप्रज्ञ ने फरमाया कि आज विश्व में जैन विद्वान, जीवन विज्ञान व प्रेक्षाध्यान प्रशिक्षक, अहिंसा प्रशिक्षक की मांग बढती जा रही है। प्रोफेशनल्स इन क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट बन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करें। साथ ही प्रोफेशनल फॉरम पर विश्वास व अपेक्षा करते हुए उसे विकास ही प्रोफेशनल फोरम पर विश्वास व अपेक्षा करते हुए उसे विकास परिषद् व मार्गदर्शक कमेटी में भी सक्रिय सहभागिता करने पर बल दिया।

युवाचार्यश्री महाश्रमण ने अपने संक्षिप्त सारगर्भित उदबोधन में कहा कि योजना और क्रिया परिणिती के मध्य का महžवपूर्ण सेतु है – समर्पित श्रद्धा। अगर समर्पित रूप से योजना पर कार्य किया जाये तो उसका परिणाम भी सकारात्मक होता है।

साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा ने अपने मंगल उदबोधन में प्रोफेशनल्स को समाज का मस्तिष्क व छलनी बताते हुए कहा कि जागरूक श€तसंपन्न प्रोफेशनल वर्ग सामाजिक विषमताओं व कुरीतियों को दूर करने का महžवपूर्ण कार्य कर सकते हैं।

श्री नरेन्द्र श्यामसुखा ने सत्र में तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के उददेश्यों को विस्तृत करते हुए आगे की योजना रखी। मु य नियोजिका साध्वी विश्रुत विभा व समणी डॉ. मंगलप्रज्ञा ने प्रेरणादायी वक्तव्य दिया।

स मेलन में मु य अतिथि डŽल्यूआईआरसी के चेयरमेन श्री बी.सी. भालावत थे। कार्यक्रम का प्रांभ नीरजमुनि के मंगलाचरण गीत से हुआ।

कार्यक्रम में मुनि रजनीशकुमारजी, मुनि धनंजयकुमारजी अपने वक्तव्य के माध्यम से प्रेरणा प्रदान की। श्री सलील लोढा ने स्वागत भाषण व श्री राकेश बरड़िया ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश सुराना ने किया।

संलग्न फोटो क्‍से प